पंजाब केसरी
FRI,09 MAY 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

# एक शोधार्थी के पास होते हैं अनेक सवाल : प्रो. सुदेश

गोहाना, 8 मई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च केंद्र और डॉक्टरोल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के तत्वावधान में महिला विश्वविद्यालय में गुरुवार एक 7 दिवसीय कार्यशाला का आगाज हो गया ।

उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि वी.सी. प्रो. सुदेश ने शिरकत की। संयोजन विश्वविद्यालय सवालम्ब केंद्र की निदेशक डॉ. अंशु भारद्वाज और ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय से प्रो. के.के. पांडेय ने किया।

दीप प्रज्वलित करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

प्रो. सुदेश ने कहा कि एक शोधार्थी के पास अनेक सवाल होते हैं। कई बार शोधार्थी अपने शिक्षक से सवाल पूछने में घबरा जाते हैं, लेकिन इस तरह की कार्यशाला में स्कॉलर एक नि:संकोच भाव से अपने हर सवाल का जवाब जान सकते हैं। कार्यशाला एक ऐसा माध्यम है जहां पर सवाल करने पर कोई आपका आकलन नहीं करता।

प्रो. पांडेय ने कहा कि रिसर्च में सामाजिक प्रभाव होना जरूरी है। शोधार्थियों को चाहिए कि पहले समस्याओं को चिन्हित करें फिर उन पर काम करें। प्रो. पांडेय ने कहा कि शोधार्थी अनुसंधान की अवधारणा को समझें।

कार्यक्रम के निदेशक महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च निदेशक प्रो. विजय नेहरा है। स्टूडैंट को-ऑर्डिनेटर प्रबंधन विभाग की शोधार्थी प्राची और रिम्पी रही, जबकि मंच संचालन अंग्रेजी विभाग की शोधार्थी अमीषा ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम सह संयोजक डॉ. शांतनु त्रिवेदी और प्रो. रवि भूषण भी मौजूद रहे।

# एक शोधार्थी के पास होते हैं अनेकों सवाल : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 8 मई : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च केंद्र और डॉक्टरोल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के तत्वाधान में महिला विश्वविद्यालय में गुरुवार एक सात दिवसीय कार्यशाला का आगाज हो गया। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि वी.सी. प्रो सुदेश ने शिरकत की। संयोजन विश्वविद्यालय सवालम्ब केंद्र की निदेशक डॉ अंशु भारद्वाज और ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय से प्रो के.के. पांडेय ने किया।

प्रो सुदेश ने कहा एक शोधार्थी के पास अनेकों सवाल होते है। कई बार शोधार्थी अपने शिक्षक से सवाल पूछने में घबरा जाते है। लेकिन इस तरह की कार्यशाला में स्कॉलर एक निःसंकोच भाव से अपने हर सवाल का जवाब जान सकते है। कार्यशाला एक ऐसा माध्यम है जहां पर सवाल करने पर कोई आपका आकलन नहीं करता।

प्रो. पांडेय ने कहा कि रिसर्च में सामाजिक प्रभाव होना जरूरी है। शोधार्थियों को चाहिए कि पहले समस्याओं को चिन्हित करें फिर उन पर काम करें। प्रो पांडेय ने कहा कि शोधार्थी अनुसंधान की अवधारणा को समझे। कार्यक्रम के निदेशक महिला विश्वविद्यालय के रिसर्च निदेशक प्रो विजय नेहरा है। स्टूडेंट को-ऑर्डिनेटर प्रबंधन विभाग की शोधार्थी प्राची और रिम्पी रही, जबकि मंच संचालन अंग्रेजी विभाग की शोधार्थी अमीषा ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम सह संयोजक डॉ शांतनु त्रिवेदी और प्रो रवि भूषण भी मौजूद रहे।

## कार्यशाला में स्कॉलर निःसंकोच भाव से हर सवाल का जवाब जाने : प्रो. सुदेश

# महिला विवि में सात दिवसीय कार्यशाला का आगाज

- कार्यशाला का उद्देश्य गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना : भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के रिसर्च केंद्र व डॉक्टरोल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के तत्वाधान में महिला विवि में गुरुवार को सात दिवसीय कार्यशाला का आगाज हो गया है। महिला विवि के शोधार्थियों के लिए अनुसंधान पद्धति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में की मुख्य अतिथि महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश रहीं। कार्यक्रम का संयोजन विवि स्वालम्ब केंद्र की निदेशक डॉ. अंशु भारद्वाज व ओपी जिंदल विवि से प्रो. केके पांडेय का रहा। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि एक शोधार्थी के पास अनेकों सवाल होते हैं। कई बार शोधार्थी अपने शिक्षक से सवाल पूछने में घबरा जाते हैं। लेकिन इस तरह की कार्यशाला में स्कॉलर निःसंकोच भाव से अपने हर सवाल का जवाब जान सकते हैं। कार्यशाला एक ऐसा माध्यम है जहां सवाल करने पर कोई आपका आकलन नहीं करता। उन्होंने कहा कि विवि में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन निरंतर होते रहेंगे।

गोहाना। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते महिला कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

### कार्यशाला में विभिन्न विभागों के 50 शोधार्थी ले रहे भाग

प्रो. केके पांडेय ने कहा कि रिसर्च में सामाजिक प्रभाव होना जरूरी है। डॉ. अंशु भारद्वाज ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के 50 शोधार्थी भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम के निदेशक विवि रिसर्च निदेशक प्रो. विजय नेहरा हैं। इस अवसर पर डॉ. शांतनु त्रिवेदी व प्रो. रवि भूषण, स्टूडेंट को-ऑर्डिनेटर प्रबंधन विभाग की शोधार्थी प्रावी, रिम्पी और शोधार्थी अमीषा मौजूद रहे।

# विश्व एथलैटिक्स दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए कुलपति, कुलसचिव व अन्य।

गोहाना, 8 मई (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से आज विश्व एथलेटिक्स दिवस मनाया गया जिसकी अध्यक्षता विभाग की अध्यक्षा डॉ सुमन द्वारा की गई मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के समापन समारोह में महिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, स्टेट बैंक के डिप्टी जनरल मैनेजर श्रीमती अंजना टंडन, रीजनल मैनेजर सुमिल कुमार ब्रांच हेड अक्षय दुआ, चीफ मैनेजर डिपाजिट एंड वेस, अर्पणा भारद्वाज व सीनियर एसोसिएट जितेंदर देशवाल भी तौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। कुलपति प्रोफेसर सुदेश व अर्पणा भारद्वाज ने छात्राओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। डॉ. सुमन लाल ने बताया कि लड़कियों की 100 मीटर रेस में प्रथम चंचल, द्वितीय समां एंव तृतीय तानवी रही। थ्री लैग रेस में प्रथम राखी द्वितीय अदिति एंव तृतीय सौम्या रही। 400 मीटर रेस में प्रथम अंजलि द्वितीय यशिका एंव तृतीय अर्चना रही। यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट की टीम में 100 मीटर फ्रॉग रेस में प्रथम कुलवंती द्वितीय अंशिका एंव वंशिका तृतीय रही। शॉट पुट में प्रथम महक, द्वितीय अदिति एंव तृतीय खुशबू रही। नॉन टीचिंग पुरुष 400 मीटर दौड़ में प्रथम अनिल मलिक द्वितीय देवेंद्र एंव तृतीय नरेश रहे। वहीं महिला नॉन टीचिंग स्टाफ में प्रथम अनुराधा द्वितीय मोनिका व तृतीय प्रमिला रही। पुरुष नॉन टीचिंग स्टाफ में शॉट पुट में प्रथम राजवीर द्वितीय अनिल मालिक व तृतीय देवेंद्र रहें । महिला नॉन टीचिंग स्टाफ में शॉट पुट में प्रथम पूनम द्वितीय सोनिया व तृतीय प्रोमिला रही। टीचिंग स्टाफ पुरुष में प्रथम डॉ. अनिल द्वितीय डॉ. दीपक ढाका तथा तृतीय स्थान नागेंद्र हुडा ने हासिल किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के खेल प्रभारी डॉ. संजीत मलिक, डॉ. बबिता, डॉ. मुकेश धनखड़ भी मौजूद रहे।